राजस्थान सरकार

न्यायालय अति. जिला कलक्टर करौली(राज0)

पीठासीन अधिकारी सुदर्शनसिह तोमर आर.ए.एस

मुकदमा नम्बर 62/019 आर सी एम सए नं0 2019/00159 तारीख रजू 19.02.2019

1 सरकार जरिये तहसीलदार टोडाभीम जिला करौली :–प्रार्थी

बनाम

1 सियाजुद्दीन पुत्र अब्दुला जाति मुसलमान निवासी असरो तहसील टोडाभीम जिला करौली

– अप्रार्थी

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 82 भू राजस्व अधिनियम 1956

उपस्थितिः– 1 श्री सुरेश चंद शर्मा वकील अप्रार्थी
2 पैरोकार सरकार तहसीलदार

निर्णय **दिनांक**:–04.12.2019

भूमिधारी तहसीलदार टोडाभीम ने अप्रार्थीयान के विरूद्व यह प्रार्थना पत्र रेफरेन्स का प्रस्तुत कर अवगत कराया है। कि आराजी खसरा नम्बर 452/956 रकवा 0.20 है0 ग्राम असरो तहसील टोडाभीम मे स्थित है जिसका प्रार्थी लेण्ड होल्डर है। यह कि गत आराजी खसरा नम्बर 166/2 रकवा 16 विस्वा सन् 1947 एवं इसके पश्चात गैरमुमकिन नाली के रूप मे दर्ज था परन्तु जमाबंदी सम्बत 2031 से 34 के खाता संख्या 1 मे यह भूमि नामान्तकरण संख्या 253 सें आवंटन होकर सियाजुद्वीन पुत्र अब्दुला के खातेदारी मे दर्ज हो गई है। तत्पश्चात भू प्रबन्ध विभाग द्वार गत खसरा नम्बर 166/2 का नवीन खसरा नम्बर 452/956 बनाकर हाल जमाबंदी मे अप्रार्थी के नाम दर्ज रिकार्ड है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 16 के अन्तर्गत राजस्व रिकार्ड मे दर्ज झील तालाब नदी नाले जलाशय आदि की भूमि पर निजी खातेदार अधिकार उदभूत नही होते है। इस प्रकार से यह अंकित हस्तानान्तकरण अवैध एवं स्वयं ही प्रभाव शून्य होने से निरस्त योग्य है। डी0बी0सिबिल जनहित याचिका संख्या 1536/2003 अब्दुल रहमान बनाम सरकार मे माननीय उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 2.8.2004 के द्वारा नदी,नाले,जलाशय आदि की भूमि जो दिनांक 15.8.1947 मे राजस्व रिकार्ड मे दर्ज है। को वापिस सरकारी भूमि दर्ज करने एवं इसके बाद हुये परिवर्तन को अवैध घोषित किये जाने निर्देश है।

अतः प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन है। कि खसरा नम्बर 452/956 रकवा 0.20 है0 वाके ग्राम असरो को वापिस राजकीय भूमि गैरमुमकिन नाली को दर्ज किये जाने के आदेश दिये जावे।

प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र को साबित करने के लिऐ प्रार्थना पत्र के साथ रिपोर्ट पटवारी,मिसल जमाबंदी सम्बत 2031 से 34 मिलान क्षेत्रफल ,हाल जमांबदी संम्बंत 2071 से 2074 तक खसरा गिरदावरी नक्शा ट्रेस पेश की है।

प्रार्थी का प्रार्थना दर्ज पंजीका कर अप्रार्थीयान को जरिये नोटिस तलब किया गया। जिसमे अप्रार्थी फॉत हो गया है अप्रार्थी के वारिसान ने जरिये वकील मृत्यू प्रमाण पत्र पेश कर निवेदन किया गया है कि तहसीलदार द्वारा मृतक के खिलाफ यह रेफरेन्स पेश किया गया है जो गलत है इसे खारिज फरमाया जावे।

उभयपक्षकार अभिभाषकगणो की बहस सुनी तथा पत्रावली का अवलोकन किया।

पैरोकार सरकार ने अपने बहस कथन में तहसीलदार टोडाभीम द्वारा प्रस्तुर रेफरेन्स माननीय उच्च न्यायालय जयपुर की खण्डपीठ के अनुसार सही पेश किया गया है जिसकी ताहीद में साविक व हाल रिकॉर्ड सामिल पत्रावली है जिसमे भूमि गैर मु. तलाई थी जिसे नियमन गलत तरीके से किया गया है। प्रार्थनापत्र स्वीकार फरमाया जावे।

वकील अप्रार्थी ने अपने बहस कथन मे कहा गया कि अप्रार्थी खातेदार सियाजुद्वीन पुत्र अब्दुला का स्वर्गवास दिनांक 18.11.2002 को हो चुका है तहसीलदार ने मृतक के खिलाफ रेफरेन्स पेश किया गया है जो चलने योग्य नही है जिसे इसी स्टेज पर खारिज फरमाया जावे।

हमने वकील अप्रार्थी एवं पैरोकार सरकार की बहस पर मनन किया तथा प्रस्तुत मृत्यू प्रमाण पत्र एवं प्रार्थी के प्रार्थना पत्र का अवलोकन किया तथा प्रार्थी के प्रार्थना पत्र के साथ प्रस्तुत दस्तावेजो का अवलोकन करने पर पाया कि जमाबंदी सम्बंत 2031 से 34 के खाता संख्या 1 मे आराजी खसरा नं. 452/956 रकवा 0.20 है0 किस्म से गै0 मु0 नाली के नाम दर्ज रिकॉर्ड रही है

जिसे नामान्तकरण संख्या 253 से आवंटन/ नियमन से गैरखातेदारी से खातेदारी दर्ज होकर खातेदारी मे दर्ज हो गई है किन्तु खातेदार श्री सियाजुद्वीन पुत्र अब्दुला का निधन मुमाबिक मृत्यू प्रमाण पत्र के अनुशार दिनांक 18.11.2002 को ही हो चुका है जिसकी छाया प्रति वकील अप्रार्थी ने प्रस्तुत की है तहसीलदार टोडाभीम ने यह रेफरेन्स इस न्यायालय मे दिनांक 19.02.2019 को पेश किया है जिससे विधित हो रहा है कि रेफरेन्स करने से पूर्व ही खातेदार कास्तगार की मृत्यू हो गई है मृत्यू हो जाने पर किसी भी पक्षकार के खिलाफ में कार्यवाही नही की जा सकती है। व्यक्ति का अधिकार व्यक्ति कि मृत्यू हो जाने पर उसके साथ ही समाप्त हो जाता है इस आधार पर बाद का उपसमन हो जाता है।

अतः भूमिधारी तहसीलदार टोडाभीम का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 82 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 का खातेदार कास्तगार फॉत हो जाने (उपशमन) पर खारिज किया जाता है। तहसीलदार नवीन प्रार्थनापत्र/रेफरेन्स प्रस्तुत करने मे स्वतंत्र रहेगा। निर्णय की प्रति तहसीलदार टोडाभीम को भिजवाई जावे।

निर्णय आज दिनांक 04.12.2019 को खुले न्यायालय मे लिखाया जाकर सुनाया गया ।

(सुदर्शन सिह तोमर)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
करौली

Signature Not Verified

Digitally signed by Sudarshan Singh Tomar
Date: 2020.01.21 16:01:34 IST
Reason: SelfAttested
Location: